SSC GD 2025

अवसर बैच

हिंदी

01

वाच्य

LIVE 07-08-2024 06:30 PM

वाच्य

→ वाच्य का शाब्दिक अर्थ → बोलने का ढंग
तरीका

परिभाषा :→ जिस वाक्य में क्रिया को करने वाले कर्त्ता, कर्म, भाव की पहचान होती है वह वाच्य कहलाता है।

वाच्य के भेद :→ तीन

(1) कर्तृवाच्य (कर्त्ता)
(2) कर्मवाच्य (कर्म)
(3) भाववाच्य (भाव)

① कर्तृवाच्य (कर्ता) ने शून्य विभक्ति ✓
नहीं होगी

② कर्मवाच्य → कर्त्ता निर्जीव यदि कर्त्ता सजीव के द्वारा

③ भाववाच्य → कर्त्ता (से) ✓ नकारात्मक / एकवचन ✓ अन्य पु०

सीता पढ़ती है ① ✓ राम ने आम खाया। → कर्तृवाच्य

② ✓ पेन चलाया गया। गाड़ी चल रही है (कर्मवाच्य)

रोगी से धूमा नहीं जाता ③ उससे बैठा नहीं जाता। → भाववाच्य

(1) **कर्तृवाच्य** :→ जिस वाक्य में कर्त्ता की प्रधानता होती है, और कर्त्ता के ने विभक्ति मिलती है, नहीं भी मिलती है।

(1) शीतल ने पत्र लिखा। (किसने, क्या)

(2) राम ने सेब खाया।

(3) रुचि पढ़ रही है।

(2) कर्मवाच्य :→ जिस वाक्य में कर्म की प्रधानता होती है। और कर्त्ता निर्जीव भी आता है तथा सजीव कर्त्ता के के द्वारा लगा होता है।

उदा :→

पत्र लिखा गया

कहानी सुनाई गयी

बल्ब जलाया गया

निर्जीव

③ किसान के द्वारा खेत जोता गया

④ माता जी के द्वारा भजन सुना गया

सजीव

③ भाववाच्य :→ जिस वाक्य में भाव की प्रधानता होती है और कर्त्ता के साथ (से) का प्रयोग किया जाता है।

→ अन्यपु० | एकवच० | नकारात्मकता का बोध होता है।

* दादी से चला नहीं जाता। / सर्दी में उससे पढ़ा नहीं जाता।
* रोगी से बैठा नहीं जाता। / मोहन से नाच नहीं आता।

Q चाय खदक रही है, वाक्य में कौन-सा वाच्य का प्रयोग हुआ।

(A) कर्तृवाच्य

~~(B) कर्मवाच्य~~

(C) भाववाच्य

(D) इनमें से कोई नहीं।